

राष्ट्रीय शक्तिष्क पुरस्कार 2024

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने [राष्ट्रीय शक्तिष्क पुरस्कार, 2024](#) के लिये बिहार के दो शक्तिष्कों का चयन किया है।

मुख्य बिंदु

- चयनित शक्तिष्कों में शामिल हैं: **सकिंदर कुमार सुमन**, जो काइमूर ज़िले के तरहनी न्यू प्राइमरी स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं और **डॉ. मीना कुमारी**, जो मधुबनी ज़िले के शिवि गंगा गर्ल्स हाई स्कूल में शक्तिष्किा हैं।
- उन्हें दलिली के वजिज्ञान भवन में **शक्तिष्क दविस** पर **राष्ट्रपतिद्वरौपदी मुरमू द्वारा सम्मानित** किया जाएगा।
- यह पुरस्कार शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये शक्तिष्कों को दिया जाता है। उन्हें **50,000 रुपए का नकद पुरस्कार, एक रजत पदक और एक प्रशस्त-पत्र** दिया जाएगा।
- इस प्रतष्ठिति पुरस्कार के लिये देश भर से कुल **50 शक्तिष्कों का चयन किया गया है।**

शक्तिष्क दविस

- वर्ष 1962 से प्रतविर्ष 5 सतिंबर को मनाया जाने वाला शक्तिष्क दविसभारत में **शक्तिष्कों, शोधकर्त्ताओं और प्रोफेसरों सहित शिक्षावदियों के योगदान का सम्मान करता है।**
 - उस समय भारत के राष्ट्रपति **डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन** ने वदियार्थियों के आग्रह पर उनके **जनमदनि को शक्तिष्क दविस के रूप में मनाने का प्रस्ताव** रखा।
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बारे में:**
 - जन्म:**
 - उनका जन्म **5 सतिंबर, 1888** को तमलिनाडु के त्रित्तनी शहर में एक तेलुगू परिवार में हुआ था।
 - शक्तिष्क:**
 - उन्होंने मद्रास के क्रश्चियन कॉलेज में दर्शनशास्त्र का अध्ययन किया और बाद में मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज तथा मैसूर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बने।
 - रोज़गार:**
 - उन्होंने वर्ष 1952 से 1962 तक **भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति** और वर्ष 1962 से 1967 तक **भारत के दूसरे राष्ट्रपति** के रूप में कार्य किया।
 - वे वर्ष 1949 से 1952 तक **सोवियत संघ में भारत के राजदूत रहे** तथा वर्ष **1939 से 1948 तक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चौथे कुलपति रहे।**
 - उपलब्धि:**
 - वर्ष 1984 में उन्हें मरणोपरांत (मृत्यु के बाद) **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
 - उल्लेखनीय कार्य:**
 - समकालीन दर्शन में धर्म का शासन (Reign of Religion in Contemporary Philosophy), रवीन्द्रनाथ टैगोर का दर्शन (The Philosophy of Rabindranath Tagore), जीवन का हिंदू दृष्टिकोण (The Hindu View of Life), कल्किया सभ्यता का भविष्य (Kalki or the Future of Civilisation), जीवन का एक आदर्शवादी दृष्टिकोण (An Idealist View of Life), जसि धर्म की हमें आवश्यकता है (The Religion We Need), भारत और चीन (India and China) तथा गौतम बुद्ध (Gautama the Buddha)

